लेकिन अभी भी पूर्ति माँग से अधिक है। अतः विक्रेताओं को मूल्य में और भी कमी करनी पड़ेगी। जब मूल्य 8 रु० प्रति कलम हो जाता है तो कलम की माँग एवम् पूर्ति दोनों 300 हो जाती है। अर्थात् इस मूल्य पर माँग और पूर्ति दोनों एक-दूसरे के बराबर हो जाती है। अतः यही बाजार में संतुलन मूल्य होगा। दूसरे शब्दों में पूर्ण-प्रतियोगिता के अन्तर्गत बाजार में कलम का मूल्य 8 रु० प्रति कलम निश्चित होगा। बाजार में मूल्य 6 रु० अथवा 4 रु० प्रति कलम निश्चित नहीं हो सकता क्योंकि इन मूल्यों पर पूर्ति की अपेक्षा माँग अधिक होगा एवम मूल्य में वृद्धि की प्रवृत्ति पाई जाएगी। इस प्रकार पूर्ण-प्रतियोगिता के अन्तर्गत किसी वस्तु का मूल्य उसी बिन्दु पर निर्धारित होता है जहाँ पर वस्तु की माँग एवम् पूर्ति एक-दूसरे के बराबर हो जाती है।

रेखाचित्र द्वारा स्पष्टीकरण (VERIFY THROUGH DIAGRAM): निम्न चित्र द्वारा कीमत निर्धारण को दिखाया गया है।

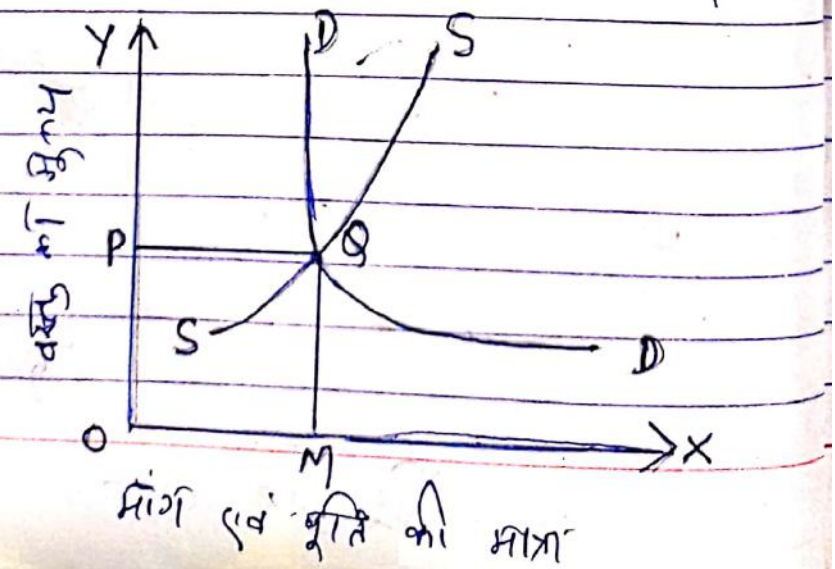

28/7/20 Economics (B.A.)

(प्र) 122

चित्र में OX रेखा माँग एवम् पूर्ति की मात्रा को तथा OY रेखा पर वस्तु के मूल्य को दिखलाया गया है। चित्र में DD माँग की रेखा तथा SS पूर्ति की रेखा है। ये दोनों रेखाएँ एक-दूसरे से Q बिन्दु पर मिलती है। ∴ अतः Q बिन्दु संतुलन बिन्दु है। जिस पर माग एवम् पूर्ति दोनों एक-दूसरे के बराबर अर्थात OM के बराबर हो जाती है। चित्र में यह स्पष्ट है कि बाजार में संतुलन मूल्य तथा माग एवम् पूर्ति एक-दूसरे के बराबर हो जाती है। पूर्ण-प्रतियोगिता के अन्तर्गत किसी वस्तु का मूल्य उसी बिन्दु पर निर्धारित होता है जहाँ पर वस्तु की माँग एवम् पूर्ति एक-दूसरे के बराबर हो जाती है।

——— X ———